CMYK

सफल राजस्थान

डाक पं. संख्या :
जयपुर सिटी/129/2018-20

मजबूत इरादे, बढ़ते कदम

सफल राजस्थान
न्यूज़ पेपर से जुड़ने के लिये संपर्क करें।
safalraj2012@gmail.com
web : www.safalrajasthan.com
contact
8829966661
9251166661
9214466661

वर्ष- 3 | अंक-30 | RNI. NO : RAJHIN/2016/69327 | सोमवार, जयपुर 11 मार्च, 2019 | साप्ताहिक | पृष्ठ-4 | मूल्य : 7 रुपए

सामूहिक विवाह बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओं के वचनों के साथ सम्पन्न

जयपुर (सफल राजस्थान)। साहू तेलियान सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति, जयपुर द्वारा 8 मार्च को विद्याधर नगर स्टेडियम, सेक्टर नं. 10, जयपुर में 37 जोड़ों का सामूहिक विवाह बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओं के वचनों के साथ सम्पन्न

कराया गया व 9 मार्च को गणेश जी को विदाई देकर सामूहिक विवाह सम्मेलन का समापन किया गया। समिति अध्यक्ष रामावतार साहू, सचिव गिर्राज साहू ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर बताया कि सामूहिक विवाह के बाबत किसी भी जोड़े से कोई शुल्क न लेकर निःशुल्क विवाह जो समिति व भाभासा आदि समाज सेवकों द्वारा कराया गया है वह एक पुनीत कार्य है। इसके अतिरिक्त ट्रेफिक वार्डनर्स राजेश सिंह, सुनील शर्मा, किस्तूर चंद आदि समाज सेवकों व संस्थाओं ने शांति व व्यवस्था बनाये रखने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सामूहिक विवाह सम्मेलन में संरक्षक : लल्लू साहू पानवाले, सह-संरक्षक : लक्ष्मण नैनावा, अध्यक्ष : रामावतार साहू, सचिव : गिर्राज साहू, उपाध्यक्ष : अशोक साहू, दिनेश साहू, कोषाध्यक्ष : हरिशंकर साहू, कमलेश साहू, सूरज साहू, रामधन साहू, कालूराम साहू, ओमप्रकाश साहू, महेश साहू आदि पदाधिकारी सहित अन्य समाजों के गणमान्य व्यक्ति व समाजसेवी उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव

11 अप्रैल से 19 मई के बीच 7 चरणों में वोटिंग

नतीजे 23 मई को, पहली बार देशभर में वीवीपैट का इस्तेमाल

सफल राजस्थान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने लोकसभा और चार राज्यों आंध्र, ओडिशा, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को तारीखों का ऐलान कर दिया। इस बार लोकसभा चुनाव 7 चरणों में होंगे। 11 अप्रैल, 18 अप्रैल, 23 अप्रैल, 29 अप्रैल, 6 मई, 12 मई और 19 मई को वोटिंग होगी। 23 मई को नतीजे आएंगे। तीन जून तक नई लोकसभा का गठन हो जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने बताया कि इस बार लोकसभा चुनाव में कुल 90 करोड़ वोटर होंगे। इनमें 8.4 करोड़ नए मतदाता शामिल हैं। कुल वोटर में से 99.3 के पास वोटर आईडी है। 1.5 करोड़ वोटर 18-19 साल की उम्र के हैं। लोकसभा चुनाव के लिए आज से देशभर में आचार संहिता लागू

हो गई है। चुनाव आयुक्त ने बताया, पिछली बार 9 लाख मतदान केंद्र थे, इस बार 10 लाख पोलिंग बूथ होंगे। पहली बार पूरे देश के सभी बूथों पर वीवीपैट मशीन का इस्तेमाल होगा।

लोकसभा चुनाव के लिए हेल्पलाइन नंबर-1950 होगा। चुनाव अधिकारियों की गाड़ी में जीपीएस होगा। मोबाइल पर ऐप के जरिए भी आयोग को आचार संहिता के उल्लंघन की जानकारी दी जा सकती है और 100 मिनट के भीतर हमारे अधिकारी को इस पर एक्शन लेना ही होगा। शिकायतकर्ता की निजता का ख्याल रखा जाएगा।

अरोड़ा ने बताया, अगर प्रत्याशी अगर फॉर्म 26 में सभी जानकारियां नहीं भरता तो उसका नामांकन रद्द हो जाएगा। साथ ही बिना पैनकार्ड वाले उम्मीदवारों का नामांकन रद्द होगा। इस बार चुनाव में सोशल मीडिया एक्सपर्ट मीडिया सर्टिफिकेशन और मॉनिटरिंग कमेटी का हिस्सा होंगे। प्रत्याशियों को सोशल मीडिया अकाउंट और उसपर होने वाले प्रचार में खर्च राशि की जानकारी देनी होगी। चुनावी खर्च में सोशल मीडिया पर होने वाली राशि को भी जोड़ा जाएगा। वोटरों को नाम को लेकर भ्रम न हो इसलिए इस बार ईवीएम में प्रत्याशियों की फोटो भी दिखेगी।

विजयवर्गीय महिला मंडल द्वारा फागोत्सव का आयोजन

सफल राजस्थान

जयपुर। मार्च का महीना और रंग मे रंगने का मौसम होली से पहले फ़ागोत्सव की धूम हर साल की भाँति इस बार नये उमंग और उल्लास के साथ जयपुर में हर नई सोच को पहल के रुप में बदलने वाले विजयवर्गीय महिला मंडल दारा फागोत्सव का आयोजन रामेश्वर महादेव मंदिर महारानी फ़ार्म मे किया गया। दोपहरी गुनगुनी धूप मे गुलाबी रंग के परिधान मे उत्साहित सभी महिला सद्स्य वह सखी सहेलियों ने एक जगह एकत्रित होकर, एक रंग मे रंग कर भारतीय त्यौहार होली को एकता के सूत्र मे बाँधा ...!!!

मंडल अध्यक्ष शकुंतला विजयवर्गीय ने बताया कि 7 मार्च गुरुवार को महारानी फार्म स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर में हम सब ने भक्ति की शक्ति के साथ फागोत्सव का आयोजन किया। जहाँ सबने मिल कर भगवान की आराधना की और फाग के गीतों पर ताल से ताल मिलाकर थिरके, होली खेले रे रघुवीरा, फाल्गुन का महीना आया रे, रंग लगा दे रसिया, नैना नीचा करले श्याम ने रिंझावे ली काई इत्यादि बहुत सारे गानों के साथ सुर में समा बांधा व जम कर नृत्य किया और लीला, ममता, निर्मला व सरिता द्वारा कार्यक्रम में भगवान कृष्ण-राधा व सखी का रुप धारण कर कार्यक्रम में चार चाँद लगाये...! सभी सदस्यों ने मिल कर एक दूसरों को गुलाब के विभिन्न रंगों से सरोबार किया और बुराई तथा नफ़रत को त्याग कर अच्छाई पर चलने का संकल्प लिया व होली पर सुखी होली खेलने का संकल्प लिया ......!!!

जयपुर का सबसे बड़ा शू-फेयर

सफल राजस्थान

जयपुर। शू-फेयर बीते दो दिनों से चल रहे इस फेयर में जयपुरवासियों में जूतों की खरीदारी में खासा उत्साह देखा गया।

मीडिया पार्टनरशिप में फुटवियर जगत में राजस्थान के सबसे बड़ा शू फेयर 2019 का आयोजन हाउसिंग बोर्ड ग्राउंड, मध्यम मार्ग मानसरोवर में हुआ। इस शू फेयर का उद्घाटन मुख्य अतिथि राजीव अरोड़ा उपाध्यक्ष राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी, आर.के. अरोड़ा ओएसडी ग्लोबल सेंटर फॉर काउंटर टेररिज्म आरपीए, शिखर चंद बैराठी एमडी महावीर पॉलीमर्स, हितेश अडवानी अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मालवीय नगर व राजकुमार आसवानी अध्यक्ष फुटवियर होल सेल समिति के कर कमलों द्वारा किया गया। शू फेयर शहरवासियों की फुटवियर की शॉपिंग आसान बनाने के साथ ही फुटवियर जगत से जुड़े व्यापारियों के लिए बहुत खास होता है। इस शू फेयर में विभिन्न प्रकार के फुटवियर प्रोडक्ट की विस्तृत रेंज के साथ-साथ ग्राहकों के लिए करीब 60 प्रतिशत तक डिस्काउंट ऑफर भी उपलब्ध थे। फुटवियर के इस महाआयोजन में एक ही छत के नीचे कई नामी ग्रामी कंपनियों के द्वारा प्रोडक्ड्स उपलब्ध कराये गये। इस शू फेयर 2019 के मुख्य सहयोगी फुटवियर होलसेलर विकास समिति जयपुर थी। इस फेयर के प्रायोजक होम टीवी एवं सह प्रायोजक रियलमी मोबाइल फोन थे।

सभी के लिए खास : शू फेयर 2019 बहुत सी कंपनियां अपने सभी प्रकार के उत्पादों का प्रदर्शन किया। इसमें पुरुषों के लिए स्पोर्ट्स शूज, फॉर्मल शूज, महिलाओं के लिए पार्टीवेयर, घरेलू, सभी प्रकार की चप्पलें, सेंडल उपलब्ध कराये गये। बच्चों के लिए अनेक वैराइटी यहां उपलब्ध कराई।

डॉ. सारस्वत को राष्ट्रीय नारी गौरव अवार्ड

सफल राजस्थान

जोधपुर। कैवल्य संस्थान के तत्वावधान में शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित समारोह में समाज सेवा व ज्योतिष के श्रेत्र मे उल्लेखनीय कार्य करने वाली जोधपुर की डॉ. सपना सारस्वत को राष्ट्रीय नारी गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. सपना को यह अवार्ड आईपीएस अधिकारी पकंज चौधरी व मुकुल चौधरी, भाजपा के वरिष्ठ नेता कमलेश पुरोहित, वरिष्ठ उद्योगपति घनश्याम राजपुरोहित, पत्रकार विक्रम सिहं राजपुरोहित व संस्थान की प्रदेश अध्यक्ष निशा राठौड़ ने दिया। समारोह मे पूरे देश मे विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 51 महिलाओं को सम्मानित किया गया।

भारतीय परम्परा का संरक्षण खुशी और मस्ती के संग

सफल राजस्थान

जयपुर। शिल्पी फॉउंडेशन और सखी सहेली क्लब के माध्यम से विश्व गुरु की पदवी से सुशोभित भारत देश के राजस्थान राज्य की संस्कृति और रीति रिवाज़ों के संरक्षण के साथ साथ आने वाली पीढ़ी को सभ्यता, संस्कृति और रीति रिवाज़ों से परिचित करवाने हेतु हर साल सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है और रंगीले राजस्थान की आन बान शान को बहुत ही सुंदर और भव्य तरीके से प्रस्तुती दी जाती है। शिल्पी अग्रवाल ने बताया कि इस संगठन का उद्देश्य कुँवारी और शादी शुदा महिलाओं में छिपे हुए हुनर को एक मंच प्रदान करने के साथ साथ उन्हें आर्थिक रूप से मज़बूती प्रदान करना भी रहा है और सामाजिक सौहार्द का माहौल कायम रखना भी प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। समय-समय पर गणगौर महोत्सव, तीज़ महोत्सव, मातृ शक्ति सम्मान समारोह, परिंडा अभियान, महिलाओं को स्वास्थ्य से सम्बन्धित जानकारी प्रदान कर उचित देखभाल और पोषण से सम्बन्धित जानकारी प्रदान करना, झुग्गी झोंपड़ी में रहने वाले बच्चों को शिक्षण सामग्री और खाद्य प्रदार्थ सामग्री का वितरण करना प्रमुख कार्य रहें है जो अनवरत चालू हैं।

फोगो फाग और प्रवासी | चेतना ग्राम संस्थान-गायत्री परिवार का संयुक्त आयोजन

फागोत्सव के साथ मनाया महिला दिवस

सफल राजस्थान

जयपुर। चेतना ग्राम संस्थान और अखिल विश्व गायत्री परिवार ओर से सांगानेर के मथुरावाला गांव स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बुधवार को महिला दिवस और फागोत्सव का आयोजन किया गया। चेतना ग्राम संस्थान की अध्यक्ष विभा अग्रवाल ने महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने का आह्वान किया। फागोत्सव में महिलाओं ने फागुनी गीतों पर जमकर नृत्य किया। फूलों की होली भी खेली गई। गायत्री परिवार के आलोक अग्रवाल, भक्त भूषण वर्मा ने आभार प्रकट किया।

प्रारंभ में गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के दिनेश आचार्य, यशंवत और धर्मेन्द्र सोलंकी ने संगीतमय गायत्री दीपयज्ञ संपन्न करवाया। विद्यालय के बच्चों और महिलाओं ने गायत्री और महामृत्युंजय मंत्र के साथ आहुतियां अर्पित की। शिक्षाविद् मीनाक्षी भदेल ने महिलाओं से आह्वान किया कि वे गांव में अच्छे कार्य करती रहें ताकि गांव में एक आदर्श वातावरण का निर्माण हो। गायत्री परिवार के युवा कार्यकर्ता ज्ञानेश ने कहा कि गांव के लोग अच्छे कार्यों के लिए समय अवश्य निकालें। नौकरी और

घरेलू कार्यों के लिए व्यस्तता सभी की है, लेकिन हमें इन्हीं 24 घंटों में समाज के लिए कुछ समय निकालना होगा। समाज के जरुरतमंदों प्रति मन में दया और करुणा की भावना जागृत करनी होगी। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे बच्चों को भोजन और कपड़े भले ही कम दें लेकिन संस्कार पूरे दें क्योंकि संस्कारों की कमी कारण बच्चे आगे चलकर कुसंगति में पड़कर गलत मार्ग पर चल पड़ेंगे। इस अवसर पर गांव की महिलाओं को विभिन्न कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। प्रतिभावान छात्राओं को पाठ्यसामग्री और खेल सामग्री वितरित की। विद्यालय प्रशासन को भी जरूरत का कई सामान उपलब्ध कराया गया। चेतना ग्राम संस्थान की अध्यक्ष विभाग अग्रवाल ने बताया कि आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत संस्था ने मथुरावाला, श्री किशनपुरा, जीरोता सहित 24 गांव को गोद ले रखा है। विजय मीणा ने बताया कि इन गांव में नारी जागरण, स्वच्छता, पौधारोपण, बाल संस्कार शाला, नारी जागरण, नशा उन्मूलन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

प्रवासी बोले-जड़ों से जुड़े रहें- इस कार्यक्रम में लंदन और न्यूयॉर्क से दो भारतीय मूल के दो परिवारों ने भी हिस्सा लिया। लंदन के जयंतीभाई पोपट, मुकेश भाई, ज्योत्सना बेन, धर्मिष्ठा तथा न्यूयॉर्क के वजू भाई ने उपस्थित लोगों से आह्वान किया वे भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जुड़े रहे। वे विदेश में रहकर भी अपनी संस्कृति को नहीं भूले। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे बच्चों को संस्कारवान बनाएं, घर और वातावरण को शुद्ध रखने के लिए प्रतिदिन गायत्री मंत्र के साथ हवन करें। गांव में हरियाली और स्वच्छता का वातावरण बनाए रखें। प्रवासी मेहमानों ने बच्चों को अनेक उपहार प्रदान किए और उनके साथ फोटो खिंचवाए।

पैरों पर खड़ी हो रही हैं महिलाएं

गांव में महिलाएं ऊर्जा दीपक तथा सिलाई-कुाई का प्रशिक्षण लेकर स्वयं को आत्मनिर्भर बना रही है। इनके उत्पादों को संस्था स्वयं खरीदती है। लड़कियों को पेटिंग, खेल, कंप्यूटर, मेहंदी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बुधवार को कई महिलाओं को उनके बनाए सामान की एवज में धनराशि भी प्रदान की गई।

मीडिया के क्षेत्र में करियर बनाने का सुनहरा अवसर...
सफल राजस्थान
राजस्थान के सभी जिलों में 'सफल राजस्थान' समाचार पत्र में कार्य करने के लिये युवक/युवतियों की आवश्यकता है।
safalraj2012@gmail.com
जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार), सेंट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर-पिन. 302039
मो. 8829966661, 9214466661

CMYK

सम्पादकीय ... विमला देवी

आतंक का सिलसिला

विडंबना है कि भारत सरकार जहां राज्य में शांति बहाली के लिए बातचीत से लेकर सुरक्षा तक के सभी मोर्चों पर चौकसी बरतने के इंतजाम में लगी है, वहीं आतंकी संगठन माहौल बिगाड़ कर समस्या को और ज्यादा जटिल बनाने की जुगत में लगे हैं।

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में सीआरपीएफ के बयालीस जवानों के मारे जाने के बाद पूरे राज्य में सुरक्षा बलों को सावधान रखा गया था। सब जगह चौकसी थी। लेकिन गुरुवार को दोपहर फिर से एक आतंकी हमले से यही जाहिर हुआ है कि राज्य में फिलहाल आतंकवादियों को कम करके आंकना भूल होगी। गौरतलब है कि जम्मू में एक बस स्टैंड पर हुए बम धमाके में एक व्यक्ति की जान चली गई और दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। सुरक्षा बलों की चौकसी के बावजूद यह हमला बताता है कि आतंकवादियों ने पूरे इलाके में अपना जाल बिछाया हुआ है और वे ऐसे बम विस्फोटों से अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की कोशिश करते रहते हैं। बम विस्फोट के बाद जम्मू क्षेत्र के पुलिस निदेशक ने कहा कि घटना की प्रकृति को देखते हुए साफ है कि इसे सांप्रदायिक सौहार्द और शांति की स्थिति को बिगाड़ने की मंशा से अंजाम दिया गया। लेकिन जब आम लोग इस मंशा को समझने लगते हैं तो ऐसे हमलों का मकसद अपने आप नाकाम हो जाता है। इसके बावजूद यह सच है कि आतंकवादियों की हरकतों को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही भारी पड़ सकती है। यह समझना मुश्किल है कि एक ओर जम्मू-कश्मीर में आतंक का माहौल बनाए रखने के लिए इस स्तर की हिंसा भी जारी रखी जा रही है और दूसरी ओर उनका समर्थन करने वाले अलगाववादी संगठन शांति से सारे सवाल सुलझ जाने की उम्मीद भी पालते हैं। विडंबना है कि भारत सरकार जहां राज्य में शांति बहाली के लिए बातचीत से लेकर सुरक्षा तक के सभी मोर्चों पर चौकसी बरतने के इंतजाम में लगी है, वहीं आतंकी संगठन माहौल बिगाड़ कर समस्या को और ज्यादा जटिल बनाने की जुगत में लगे हैं। सवाल है कि बम हमलों में आम लोगों या फिर सुरक्षा बलों की जान ले लेने से किस तरह की समस्या का समाधान होगा? ऐसे आतंकी हमलों को अंजाम देने वाले संगठन क्या यह समझ पाने में सक्षम नहीं हैं कि सरकार उन्हें रोकने के लिए सख्त कार्रवाई कर सकती है? इस तरह का माहौल बने रहने से किसे लाभ हो रहा है! हाल ही में पाकिस्तान ने मसूद अजहर के भाई सहित कई आतंकियों को गिरफ्तार कर आतंक का सामना करने के मामले में एक सकारात्मक संदेश दिया था। लेकिन अब जम्मू में फिर बम हमले की घटना से यही लगता है कि पाकिस्तान के ठिकाने से भारत के खिलाफ अपनी गतिविधियां संचालित करने वालों पर पूरी तरह काबू पाना अभी बाकी है। दरअसल, पुलवामा में आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक की, तब से पाकिस्तान की ओर से किसी कार्रवाई की आशंका बनी हुई थी। लेकिन भारत के रुख को देखते हुए शायद फिर से आतंकियों के जरिए परोक्ष रूप से संदेश देने की कोशिश की गई है। आतंकी संगठनों को यह अंदाजा है कि ऐसे छोटे-छोटे हमले भी नागरिकों को खौफ में बनाए रख सकते हैं। अब अगर आतंकियों और उनका समर्थन करने वाले अलगाववादी समूहों को यह समझना जरूरी नहीं लगता है कि उनकी गतिविधियों से कैसे हालात पैदा होंगे, तो देश के सुरक्षा बलों के सामने आतंकियों का सामना करने या उन्हें उचित जवाब देने के सिवा और क्या रास्ता बचेगा!

सवाल है कि बम हमलों में आम लोगों या फिर सुरक्षा बलों की जान ले लेने से किस तरह की समस्या का समाधान होगा? ऐसे आतंकी हमलों को अंजाम देने वाले संगठन क्या यह समझ पाने में सक्षम नहीं हैं कि सरकार उन्हें रोकने के लिए सख्त कार्रवाई कर सकती है? इस तरह का माहौल बने रहने से किसे लाभ हो रहा है! हाल ही में पाकिस्तान ने मसूद अजहर के भाई सहित कई आतंकियों को गिरफ्तार कर आतंक का सामना करने के मामले में एक सकारात्मक संदेश दिया था।

रोजगार का संकट

आंकड़ों से पता चलता है कि 1973-74 और 2011-12 के बीच खुली बेरोजगारी दर कभी भी 2.6 फीसद से अधिक नहीं थी। अब 2017-18 में यह बढ़ कर 6.1 फीसद हो गई। यह बिल्कुल आश्चर्यजनक नहीं है क्योंकि देश में पिछले दस-बारह वर्षों में अधिक-से-अधिक युवा शिक्षित हुए हैं। इस अवधि में उच्च शिक्षा में नामांकन दर (18-23 वर्ष के लिए) 2006 की ग्यारह फीसद से बढ़ कर 2016 में छब्बीस फीसद हो गई। पंद्रह से सोलह वर्ष के बच्चों की सकल माध्यमिक (कक्षा नौ और दस के लिए) नामांकन दर 2010 में अट्ठावन फीसद से बढ़ कर 2016 में नब्बे फीसद हो गई। ऐसे युवा खेती के बजाय शहरों में किसी उद्योग या सेवा क्षेत्र में नियमित नौकरी की उम्मीद करते हैं।

सन् 2000 से 2012 के बीच भारत में पचहत्तर लाख रोजगार सृजित हुए थे। अगर हम सही-सही नीतियों पर अमल करें तो आज भी अर्थव्यवस्था उतने ही रोजगार पैदा कर सकती है। चार वर्षों में हर साल कम से कम पचहत्तर लाख नए गैर-कृषि रोजगार सृजित करने चाहिए थे, लेकिन इसने केवल बाईस लाख रोजगार सृजित किए। इसमें कृषि छोड़ने के इच्छुक कृषि श्रमिकों के लिए जरूरी गैर-कृषि रोजगार शामिल नहीं हैं। शिक्षित बेरोजगारी की स्थिति भयावह हो गई है, क्योंकि युवाओं को बेहतर शिक्षा मिल रही है और वे कृषि की जगह उद्योगों और सेवा क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हैं। यह नतीजा श्रम ब्यूरो के सालाना सर्वे के आकलन में सामने आया। इसमें ग्रामीण और शहरी, संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों के रोजगार शामिल हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो इसमें ईपीएफओ / एनपीएस (संगठित) के साथ-साथ ऐसे रोजगार भी हैं, जो मुद्रा लोन या दूसरे उपायों से पैदा हो सकते हैं। बाद के दोनों स्रोत ठीक वही हैं, जिन्हें लेकर सरकार का ठीक-ठीक यही दावा है कि रोजगार के जो आंकड़े हैं, उसमें इन दोनों को शामिल नहीं किया गया है। सरकार का दावा है कि रोजगार को लेकर पर्याप्त 'अच्छे' आंकड़े नहीं हैं। लेकिन सरकार के इस दावे को बिल्कुल नहीं माना जा सकता है। एनएसएसओ के ताजा श्रम बल (लेबर फोर्स) सर्वे (पीएलएफएस 2017-18) के हालिया आंकड़ों में रोजगार / बेरोजगारी की उसी प्रश्नावली और परिभाषा का उपयोग किया गया है, जो एनएसएसओ के पहले के सर्वे में होते थे। एनएसएसओ के 2017-18 के आंकड़ों से साफ है कि वास्तव में रोजगार की स्थिति और भी विकट रही। 2011-12 के बाद खुली बेरोजगारी यानी ऐसी स्थिति जब लोगों के पास करने के लिए कोई काम न हो, की दर बढ़ी है। आंकड़ों से पता चलता है कि 1973-74 और 2011-12 के बीच खुली बेरोजगारी दर कभी भी 2.6 फीसद से अधिक नहीं थी। अब 2017-18 में यह बढ़ कर 6.1 फीसद हो गई। यह बिल्कुल आश्चर्यजनक नहीं है क्योंकि देश में पिछले दस-बारह वर्षों में अधिक-से-अधिक युवा शिक्षित हुए हैं। इस अवधि में उच्च शिक्षा में नामांकन दर (18-23 वर्ष के लिए) 2006 की ग्यारह फीसद से बढ़ कर 2016 में छब्बीस फीसद हो गई। पंद्रह से सोलह वर्ष के बच्चों की सकल माध्यमिक (कक्षा नौ और दस के लिए) नामांकन दर 2010 में अट्ठावन फीसद से बढ़ कर 2016 में नब्बे फीसद हो गई। ऐसे युवा खेती के बजाय शहरों में किसी उद्योग या सेवा क्षेत्र में नियमित नौकरी की उम्मीद करते हैं। अगर उनके पास इस स्तर तक की शिक्षा हासिल करने के वित्तीय साधन हैं, तो वे बेरोजगार रहने का जोखिम भी उठा सकते हैं। गरीब लोग जो बहुत कम पढ़े-लिखे हैं, उनके पास ऐसी बेरोजगारी को झेलने की क्षमता और कम होती है। यही वजह है कि उनकी बेरोजगारी की दर कम है। हालिया आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि जैसे-जैसे खुली बेरोजगारी दर बढ़ती है, तो श्रम बल से बाहर होने वाले अधिक लोग निराश होते जाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो वे काम की तलाश बंद कर देते हैं। भले ही उनकी उम्र (पंद्रह साल से अधिक) काम करने की होती है। इसीलिए सभी उम्र के लोगों के श्रम बल की भागीदारी दर 2004-05 में 43 फीसद से घट कर 2011-12 में 39.5 फीसद और 2017-18 में 36.9 फीसद हो गई थी। इन सबके बीच सरकार के अर्थशास्त्रियों की ओर से बार-बार कहा जाता है कि रोजगार को लेकर कोई संकट नहीं है। हाल तक प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के एक सदस्य ने भी अपने रोजगार आकलन के आधार पर दोहराया था कि रोजगार की धीमी वृद्धि के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। वर्ष 2011-12 तक खुली बेरोजगारी का आंकड़ा लगभग एक करोड़ था, लेकिन 2015-16 तक यह बढ़ कर 1.65 करोड़ हो गया। 2011-12 के बाद इसमें वृद्धि से पता चलता है कि इस अवधि से पहले जो लोग स्कूली शिक्षा हासिल कर रहे हैं, वे गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार की तलाश करेंगे, लेकिन रोजगार नहीं मिलेगा। हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि 2017-18 तक यह स्थिति और बदतर हो गई। इससे भी बदतर स्थिति यह है कि इससे शिक्षितों की बेरोजगारी दर में तेज वृद्धि (वार्षिक सर्वे, श्रम ब्यूरो के अनुमानों के आधार पर) का पता चलता है। माध्यमिक शिक्षा हासिल करने वालों की बेरोजगारी दर 2011-12 में 0.6 फीसद से बढ़ कर 2016 में 2.4 फीसद हो गई। इसी अवधि में दसवीं की शिक्षा हासिल करने वालों की बेरोजगारी दर 1.3 फीसद से 3.2 फीसद, बारहवीं पास की दो फीसद से 4.4 फीसद, स्नातकों की 4.1 फीसद से बढ़ कर 8.4 फीसद और स्नातकोत्तर की बेरोजगारी दर 5.3 फीसद से बढ़ कर 8.5 फीसद हो गई। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि तकनीकी शिक्षा हासिल करने वाले स्नातकों की बेरोजगारी दर 6.9 से 11 फीसद, स्नातकोत्तरों की 5.7 फीसद से 7.7 फीसद और व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षितों की 4.9 फीसद से बढ़ कर 7.9 फीसद हो गई। यानी आप जितना अधिक शिक्षित हैं, उतना ही बेरोजगार रहने की संभावना है। भारत के आर्थिक इतिहास में 2004-05 और 2011-12 के दौरान कृषि में श्रमिकों की संख्या में तेजी से गिरावट आई थी। इसी तरह कृषि क्षेत्र में काम करने वाले युवाओं की संख्या 2004-05 और 2011-12 के बीच गिर कर 8.68 करोड़ से 6.09 करोड़ (या 30 लाख प्रति वर्ष की दर) हो गई। हालांकि, 2012 के बाद 2015-16 तक कृषि में युवाओं की संख्या बढ़ कर 8.48 करोड़ हो गई और यहां तक कि उससे ज्यादा बढ़ गई। हम विकास के जिस दौर में हैं, वैसे में भारत के लिए वास्तव में जो मायने रखता है वह है, गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार में वृद्धि। 2004-05 से 2011-12 के बीच 5.12 करोड़ गैर कृषि रोजगार सृजित हुए, जो बहुत सराहनीय और आशाजनक भी है। जबकि इसके विपरीत, 2012 के बाद 2016-17 तक गैर-कृषि रोजगार केवल 12 लाख प्रतिवर्ष (या कुल 48 लाख) ही सृजित हुए। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में रोजगार 2011-12 में 5.89 करोड़ से घट कर 2015-16 में 4.83 करोड़ हो गए, यानी चार साल की अवधि में 1.6 करोड़ से अधिक रोजगार कम हो गए।

अयोध्या की जमीन

हालांकि मध्यस्थों की सूची सौंपने की जो अवधि तय की गई है, उस समय तक आम चुनाव संपन्न हो चुके होंगे। फिर उन मध्यस्थों को चार हफ्ते के भीतर अपनी राय देनी होगी। इस तरह विपक्ष का भय बेवजह है। अयोध्या मामले का निपटारा बातचीत या फिर अदालत के फैसले से जैसे भी हो, जल्दी हो जाए, तो अच्छा। राम मंदिर निर्माण में सबसे बड़ी उलझन वहां की जमीन को लेकर है। उस जमीन के कुछ हिस्से पर सुन्नी वक्फ बोर्ड का दावा है और कुछ पर निर्मोही अखाड़े का। राम मंदिर निर्माण के लिए आंदोलन करने वाले संगठनों का कहना है कि वह पूरी जमीन राम मंदिर निर्माण के लिए मिलनी चाहिए। जमीन संबंधी विवाद को सुलझाने के लिए इलाहाबाद हाइकोर्ट लंबे समय तक जद्दोजहद करता रहा। फिर सर्वोच्च न्यायालय की पहल पर इससे संबंधी सभी मामलों को एक साथ जोड़ा गया। पर अंतिम निर्णय तक पहुंचने में मुश्किलें बनी हुई हैं। इसीलिए सर्वोच्च न्यायालय ने बातचीत के जरिए इसके समाधान पर विचार किया है। हालांकि यह पहला मौका नहीं है।

विपक्ष भी कह रहा है कि इस मौके पर मध्यस्थता के जरिए हल निकालने की पहल उचित नहीं होगी। हालांकि मध्यस्थों की सूची सौंपने की जो अवधि तय की गई है, उस समय तक आम चुनाव संपन्न हो चुके होंगे। सर्वोच्च न्यायालय एक बार फिर बातचीत के जरिए अयोध्या विवाद को सुलझाने पर विचार कर रहा है। हालांकि पहले भी उसने कहा था कि दोनों पक्ष इस विवाद को आपसी सहमति से सुलझा लें, तो राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया जल्दी शुरू हो सकेगी। मगर तब अपेक्षित पहल नहीं हो सकी थी। अब न्यायालय ने कहा है कि दोनों पक्ष अपने मध्यस्थों की सूची सौंपें, ताकि वह निर्णय कर सके कि बातचीत के जरिए इस मसले का हल निकाला जा सकता है या नहीं। इसके लिए आठ हफ्ते का समय दिया गया है। हालांकि इस निर्देश पर मुसलिम संगठन सहमत दिख रहे हैं, पर खुद राम मंदिर निर्माण के लिए आंदोलन कर रहे संगठनों की राय भिन्न है। विपक्ष भी कह रहा है कि इस मौके पर मध्यस्थता के जरिए हल निकालने की पहल उचित नहीं होगी। हालांकि मध्यस्थों की सूची सौंपने की जो अवधि तय की गई है, उस समय तक आम चुनाव संपन्न हो चुके होंगे। फिर उन मध्यस्थों को चार हफ्ते के भीतर अपनी राय देनी होगी। इस तरह विपक्ष का भय बेवजह है। अयोध्या मामले का निपटारा बातचीत या फिर अदालत के फैसले से जैसे भी हो, जल्दी हो जाए, तो अच्छा। राम मंदिर निर्माण में सबसे बड़ी उलझन वहां की जमीन को लेकर है। उस जमीन के कुछ हिस्से पर सुन्नी वक्फ बोर्ड का दावा है और कुछ पर निर्मोही अखाड़े का। राम मंदिर निर्माण के लिए आंदोलन करने वाले संगठनों का कहना है कि वह पूरी जमीन राम मंदिर निर्माण के लिए मिलनी चाहिए। जमीन संबंधी विवाद को सुलझाने के लिए इलाहाबाद हाइकोर्ट लंबे समय तक जद्दोजहद करता रहा। फिर सर्वोच्च न्यायालय की पहल पर इससे संबंधी सभी मामलों को एक साथ जोड़ा गया। पर अंतिम निर्णय तक पहुंचने में मुश्किलें बनी हुई हैं। इसीलिए सर्वोच्च न्यायालय ने बातचीत के जरिए इसके समाधान पर विचार किया है। हालांकि यह पहला मौका नहीं है, जब मध्यस्थों के जरिए इस समस्या का हल निकालने का प्रयास किया जा रहा है। इलाहाबाद हाइकोर्ट तीन बार यह तरीका आजमा चुका है, पर कोई नतीजा नहीं निकल पाया। अब एक बार फिर जो मध्यस्थ तय होंगे, वे कहां तक किसी मसले पर एकमत हो पाएंगे, देखने की बात होगी। मध्यस्थों के जरिए किसी निर्णय पर पहुंचने में एक मुश्किल यह है कि कैसे कुछ लोगों के मत के आधार पर दोनों समुदायों के बड़े वर्ग की भावनाओं को समझा जा सकेगा। कुछ मुसलिम प्रतिनिधि इस बात पर राजी देखे गए हैं कि सुन्नी वक्फ बोर्ड के हिस्से की जमीन के बराबर जमीन कहीं और दे दी जाए, जहां वे मस्जिद बना सकें, पर कई प्रतिनिधि इस पर राजी नहीं हुए। इसी तरह हिंदू महासभा जैसे हिंदू संगठनों में भी कई बिंदुओं पर मतभेद नजर आता है। इसलिए यह दावा करना मुश्किल है कि दोनों पक्षों की तरफ से तय किए गए मध्यस्थों की राय उनके समूचे वर्ग की राय मान ली जाएगी। हालांकि अभी सर्वोच्च न्यायालय ने मध्यस्थों की राय के आधार पर अपना निर्णय सुनाने को नहीं कहा है। अभी वह तय करेगा कि बातचीत के जरिए इसका समाधान निकालने की पहल कितनी कारगर साबित हो सकती है। दरअसल, राम मंदिर विवाद को राजनीतिक रंग दे दिए जाने के बाद से आपसी रजामंदी से इस समस्या को हल करना कठिन होता गया है।

पाठकों के पत्र

यदि आप आसपास के परिवेश से प्रभावित होकर कुछ लिखने का साहस रखते हैं, **इस पते पर लिखें।**

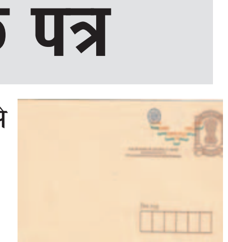

सफल राजस्थान
जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार),
सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर,
जयपुर -302039
ईमेल-
E-Mail : safalraj2012@gmail.com
मो. : 8829966661

चुनौतियों के मुहाने पर

महिलाओं के लिए चुनौती भरा वर्ष होगा। इसलिए कि विश्व भर की महिलाओं ने सदियों के संघर्ष से जो कुछ हासिल किया था, उन्हें उलट देने की कोशिश जारी हैं। यह इसलिए संभव हो पा रहा है कि कई मुल्कों में ऐसी सत्ता हैं, जिन्हें हम हर मामले में दक्षिण पंथ की पैरोकार करार दे सकते हैं। आर्थिक नीतियों से लेकर सामाजिक मुद्दों और सांस्कृतिक प्रश्नों पर ऐसे शासन महिलाओं, एलजीबीटी समुदाय, अल्पसंख्यकों, अप्रवासियों, अेतों के विरुद्ध खड़े हैं, या उनके प्रति उदासीन हैं, अलबत्ता, वे त मध्य वर्ग को लुभाने में सफल हैं। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का शासन आया तो अमेरिकी जनसंख्या के एक बड़े हिस्से को भारी धक्का लगा। 2017 में ट्रंप के सत्ता संभालने के अगले दिन से ही महिलाओं ने भारी पैमाने पर विरोध आरंभ कर दिया था। दो लाख से अधिक महिलाओं ने एक ही दिन में वॉशिंगटन डीसी की सड़कों पर प्रदर्शन करके और 50 लाख से ज्यादा लोगों ने अमेरिका भर में प्रदर्शन करके साबित कर दिया कि अमेरिकी इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ। शायद वियतनाम युद्ध के विरोध में ऐसे बड़े प्रदर्शन हुए थे। और यह सब स्वतस्फूर्त ढंग से हुआ क्योंकि महिलाओं में ट्रंप के महिला-विरोधी, अल्पसंख्यक और अप्रवासी-विरोधी बयानों पर भारी रोष था। ट्रंप ने अपने पूरे चुनावी अभियान में ऐसी बातों को खुलकर कहा, जो महिलाओं के सम्मान पर चोट थीं। उन पर तरह-तरह के ''सेक्सिस्ट' कमेंट कि जा रहे थे और लगातार उन्हें हिलेरी क्लिंटन पर फब्तियों के माध्यम से नीचा दिखाने की कोशिश हो रही थीं। महिलाएं कह रही थीं कि वे प्रशासन को बता देना चाहती थीं कि उन्हें ऐसी नीतियों के अधीन नहीं रखा जा सकता जो उनके भविष्य और सम्मान के लिए खतरनाक साबित होंगी। विश्व के सात उपमहाद्वीपों में 673 ऐसे मार्च हुए। आगे 100 दिनों के लिए 10 ऐकान्स की लिस्ट तैयार की गई।

हैलो.. हैलो..

हॉस्पिटल	
गवर्मेंट सैटेलाइट हॉस्पिटल, बनीपार्क	2202449
महिला चिकित्सालय, सांगानेरी गेट	2610616
एसएमएस हॉस्पिटल	2560291
जनाना हॉस्पिटल	2378721
ईएसआई डिस्पेंसरी, मालवीयनगर	2522724
ईएसआई डिस्पेंसरी, प्रताप नगर	2792594
पुलिस	
कंट्रोल रूम, जयपुर सिटी	2575715
कंट्रोल रूम, जयपुर ग्रामीण	2575774
कंट्रोल रूम, यातायात	2565630
होटल-ट्यूरिज्म	
गणगौर	0141-2371641, 2371642, 2371644, 2371646
स्वागत	0141-2200595, 2206701, 09950996242
तीज	0141-2205482, 2205473, 2203199, 09829058458
होटल खासा कोठी	0141-2375151, 4063000, 09414073182
रोडवेज	
कंट्रोल रूम हैड ऑफिस	0141-2373044
सेंट्रल बस स्टैंड सिंधी कैंप	0141-2207906, 2207912, 207913, 2207914
डीलक्स बस आरक्षण	0141-2205790
ड्यूटी ऑफिसर प्लेटफार्म	0141-2207907
ड्यूटी ऑफिसर सिंधी कैंप	0141.2207903
रेलवे	
रेलवे पूछताछ	131
रेलवे पूछताछ	139
हैल्प लाइन	
चाइल्ड हैल्प लाइन	0141-2353997-1098
बिजली हैल्प लाइन	0141-2354900-1912
ऑपरेशन गरिमा	0141-2204475
एनीमल हॉस्पिटल हैल्प लाइन	0141-2373237
हैल्प इन सफरिंग हैल्प लाइन	0141-2760012
ब्लड बैंक	
संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल	0141- 2566251, 2574189
सवाई मानसिंह हॉस्पिटल	0141-256 02912
स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक	0141-2545293, 2721771
अग्निशमन केन्द्र	
अग्निशमन हैल्पलाइन	101
बनीपार्क	0141-2201898
बाईस गोदाम	0141-2211258
घाट गेट	0141-2615550
विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र	0141-2332573
एम आई रोड	0141-2375925
सांस्कृतिक केन्द्र	
जवाहर कला केंद्र	0141-2706560
रविन्द्र मंच	0141-2619061
ट्यूरिस्ट प्लेस	
अल्बर्ट हॉल म्यूजियम	0141-2570099
आमेर फोर्ट	0141-2530293
बिरला प्लेनेटोरियम	0141-2385094,
हवा महल	0141-618862
जंतर मंतर	0141-2610494
जयगढ़ फोर्ट	0141-2274848
नाहरगढ़ फोर्ट	0141-5148044
जयपुर जू	0141-2680494
राम निवास गार्डन	0141-2617319
साइंस पार्क	0141-2304654
सिटी पैलेस	0141-2608055
एम्बुलेंस	
एम्बुलेंस हैल्पलाइन	108
जेके लोन एम्बुलेंस	0141-2619827
महिला चिकित्सालय एम्बुलेंस	0141-2601333
एसएमएस एम्बुलेंस	0141-2560291
रेड क्रास एम्बुलेंस	0141-2617214
एयरलाइंस	
एयर अरेबिया	0141-5115455
इंडिगो एयरलाइंस	0141-5119992
एयर इंडिया सिटी	0141-2744840, 2743500
ओमान एयरवेज	0141-4002041
एयर अरेबिया	0141-2378501, 2378204
एयर इंडिया	0141-2721333, 2721519
गो एयर	0141-6500803
जेट एयरवेज	0141-5112222
स्पाइस जेट	0141-5119882
दुर्घटना थाना	
ईस्ट	2587436
वेस्ट	2577717
नॉर्थ	2568721
साउथ	2575171

स्वयं को पहचान, तुझ में शक्ति अपार है
स्वयं को नमन कर और आगे बढ़ चल
ठोकर मार उसे जो तेरा सम्मान करना न जाने
बढ़ चल, बढ़ चल, नई राहे तेरा रास्ता तके है।
तेरे आँचल में है अपार खुशियां
क्योंकि सिर्फ आज नही हर रोज़ तेरा दिन है
महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

(सफल राजस्थान)

अधिवक्ता मीना मोदी

हम सभी महिलाओं को महिला होने पर गर्व है..हमारे वजूद के बिना सब सूना है... हमारा मायका,ससुराल और समाज। हम शुक्रगुज़ार हैं उस प्रभु के..जिसने हमें अनगिनत गुणों से नवाज़ा... लेकिन दोस्तो आइये आज इस दिन प्रण लें कि अपने अधिकारों,आज़ादी व गुणों का दुरुपयोग ना करके... एक स्वस्थ समाज के निर्माण में सहायता करें। महिला-पुरुष दोनों समाज का अभिन्न अंग हैं... दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं... दोनों का सम्मान ज़रूरी है... तो आईये अपने घरों से शुरूआत करें।

(सफल राजस्थान)

अन्नूपमा अग्रवाल समाज सेविका

मैं तजुर्बे के मुताबिक़.....खुद को ढाल लेती हूं....
कोई प्यार जताए तो.....दिल संभाल लेती हूं....!!
नहीं करती थप्पड़ के बाद.....दूसरा गाल आगे.....
खंजर खींचे कोई.....तो तलवार निकाल लेती हूं....!!
वक्त था सांप की.....परछाई डरा देती थी....
अब एक सांप मैं तो.....आस्तीन में पाल लेती हूं.....!!
मुझे फासने की.....कहीं साजिश तो नहीं....
हर मुस्कान ठीक से.....जांच पड़ताल लेती हूं.....!!
बहुत जला चुकी उंगलियां.....मैं पराई आग में....!!
अब कोई झगड़े में बुलाए.....तो मै टाल देती हूं....!!
सहेज के रखा था दिल.....जब शीशे का था....!
पत्थर का हो चुका अब.....मजे से उछाल लेती हूं ...!!

(सफल राजस्थान)

डॉ. सपना सारस्वत हस्तरेखा विशेषज्ञ

महिला हूं महिला का मान बढ़ाऊंगी,
देकर शिक्षा अपनी बेटी को महिला सशक्त बनाऊंगी।
देकर शक्ति अपने आंचल की संघर्ष करना तुझको सिखलाऊंगी,
तू हारे ना कहीं ऐसी राह तुझे दिख लाऊंगी।
देकर ममता अपने मन की, मदर टेरेसा जैसी तुझे बनाऊंगी,
सेवा करें सभी की ऐसी राह तुझे दिख लाऊंगी।
बेटा बेटी का भेद मिटाकर, हर महिला को आगे लाऊंगी,
तुझे पढ़ा कर मेरी बेटी, महिला सशक्त बनाऊंगी।

(सफल राजस्थान)

सरिता सैनी नर्स ग्रेड-2

गांव में में पली बढ़ी किसान की बेटी ने कॉलेज में क्रिकेट खेलना शुरू किया, अब यूनिवर्सिटी कैप्टन

सफल राजस्थान

श्रीगंगानगर। यह कहानी है गांव की एक ऐसी लड़की की जिसने अपनी कड़ी मेहनत से राज्यभर में नाम कमाया है। गांव में खेल मैदान नहीं था और जिन सरकारी स्कूलों में पढ़ाई हुई, वहां भी खेल सुविधाओं का अभाव। अभावों में जूझती कॉलेज पहुंची तो हिचक के साथ क्रिकेट शुरू किया। फिर शुरू हो गए संघर्ष के दिन। ग्रामीण परिवेश की खिलाड़ी ने जज्बे से बल्ला थामा तो फिर पीछे हटकर नहीं देखा। चार साल में संघर्ष की बदौलत बीकानेर यूनिवर्सिटी की क्रिकेट टीम की कैप्टन बनकर इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट प्रतियोगिता में टीम का नेतृत्व किया। इस तरह जुनून के साथ सफलता की कहानी लिखी है जिले के गांव हुणतपुरा की खिलाड़ी कांता माहर ने।

साधारण किसान परिवार की बेटी और ठेठ ग्रामीण परिवेश में पली कांता को बचपन से ही ज्यादा सुविधाएं नहीं मिली। इसके बावजूद उसने जीवन में मिले मौकों का मेहनत की कसौटी पर पिघलाकर प्रतिभा का लोहा मनवा दिया। मेहनत की बदौलत कांता को वर्ष 2017 में पहली बार भोपाल में हुई इंटर यूनिवर्सिटी में क्रिकेट प्रतियोगिता में बीकानेर यूनिवर्सिटी की टीम में प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। ओपनर बैट्समैन और विकेटकीपर के रूप में कांता की भूमिका सराहनीय रही। वर्ष 2018 में महाराष्ट्र के नांदेड़ में हुई इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट प्रतियोगिता में फिर परफॉर्मेंस दिखाई तो इस साल नागपुर में हुई इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में बीकानेर यूनिवर्सिटी की क्रिकेट टीम की कैप्टन बनाई गई। कांता की ओपनिंग बल्लेबाजी ग्रामीण परिवेश की अन्य छात्राओं के लिए रोल मॉडल बनी। इस बार यूनिवर्सिटी की क्रिकेट टीम में चार अन्य छात्राएं भावना, पारूल, कविता और रवीना भादू भी शामिल हुई हैं।

पांचवीं तक तक पढ़े सामान्य किसान वेद प्रकाश और अशिक्षित रुकमा देवी की बेटी कांता की स्कूलिंग ग्रामीण परिवेश में सरकारी स्कूलों में हुई। बचपन में अपने दोनों भाइयों अनिल और सुनील को क्रिकेट खेलते देखती तो उसका मन भी बल्ला थाम कर शॉट लगाने को करता। गांव के स्कूल में क्रिकेट के प्रशिक्षण की व्यवस्था नहीं थी। न ही साथ की लड़कियां खेलने को तैयार होती।

वर्ष 2014 में बींझबायला के सरस्वती गर्ल्स कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष में एडमिशन लिया तो क्रिकेट खेलने का मौका मिला। तब मौके के साथ नई चुनौतियां भी सामने आईं। लड़की किक्रेट खेलेगी, इस पर परिवार को थोड़ी हिचकिचाहट हुई। फिर परिवार के मन में संशय हुआ कि यूनिवर्सिटी स्तर पर लेदर की बॉल से क्रिकेट खेलने से चोट लगने का जोखिम रहेगा। परिवार के लोगों ने उसकी पीठ थपथपाई तो नई चुनौती सामने आई कि सहपाठी छात्राएं अनुभवी खिलाड़ी थीं। टीम में उनके बराबर स्थान बनाए रखने के लिए शुरुआत से ही जद्दोजहद करनी पड़ी। लेकिन संघर्ष की पिच पर उतरी कांता पीछे नहीं हटी। वर्तमान में चौधरी बल्लूराम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय में एमए अंतिम वर्ष की छात्रा है।

एक शिक्षिका जो वेतन के पैसों से छात्राओं के लिए खरीदती है सेनेटरी पैड

सफल राजस्थान

जगदलपुर। बकावंड के शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल की अंग्रेजी की व्याख्याता हर्षा बघेल अपने स्कूल की छात्राओं के लिए पैडवुमैन बन गई हैं। पूरे जिले में अकेली ऐसी शिक्षिका हैं, जो हर समय अपने साथ सेनेटरी पैड के कुछ पैकेट बांटने के लिए लेकर चलती हैं।

आस-पास की युवतियों और महिलाओं को भी देती हैं सेनेटरी पैड : स्कूल में किसी भी छात्रा को जरूरत पड़ने पर वे उन्हें पैड भी देती हैं। वेतन से ही ये पैड खरीदती हैं। न केवल स्कूल की छात्राओं के लिए, बल्कि अपने घर के आस-पास रहने वाली युवतियों और महिलाओं को भी वे सेनेटरी पैड का उपयोग करने के लिए जागरूक करती हैं।

बकावंड स्कूल में वेंडिंग मशीन शुरू ही नहीं हुई : बकावंड हायर सेकेंडरी स्कूल में अब तक सेनेटरी पैड की वेंडिंग मशीन शुरू नहीं हो सकी है और न ही इसे लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग ही कोई कोशिश कर रहा है। ऐसे में छात्राओं को यहां पैड नहीं मिल पाने से वे परेशान न हों, इसीलिए हर्षा ने वेतन से सेनेटरी पैड खरीदना शुरू कर दिया। दो सालों से वे ऐसे ही काम कर रही हैं। जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी होती है, उनके लिए वे घर पर ही मुफ्त में एक्स्ट्रा क्लास लेती हैं।

स्टेशनरी के बदले में लेती हैं पढ़ाई न छोड़ने का वादा : शहर के निर्मल विद्यालय में जीव विज्ञान संकाय से पढ़ी हर्षा बतौर शिक्षिका न केवल अंग्रेजी, बल्कि विज्ञान और गणित के सवालों को भी हल करने में छात्रों की मदद करती हैं। यही नहीं, कोई गरीब विद्यार्थी उन्हें मिला तो वे उसकी पढ़ाई के लिए स्टेशनरी भी खरीदकर उन्हें देती हैं। इसके बदले वे कोई रूपए नहीं, बल्कि ये वादा लेती हैं कि किसी भी परिस्थिति में पढ़ाई नहीं छोड़ेंगे और इसके लिए वे पूरी मदद भी करती हैं।

(सफल राजस्थान)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश द्वारा राज्य स्तरीय समारोह में महिला सशक्तिकरण में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए समाजसेविका चारू गुप्ता को पुरस्कृत किया गया।

(सफल राजस्थान)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जनहित लोकमंच के तत्वावधान मैं पिंकसिटी प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में देवेन्द्र शर्मा (रींगस) राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवा रक्षा दल एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम दीक्षित द्वारा महिलाओं को सम्मानित किया गया।

(सफल राजस्थान)। उदय सेवा संस्था और महिला बालिका जागृति मंच को राज्य स्तर पर सम्मानित किया। जयपुर संकल्प सेवा संस्थान की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिला एवं बालिका जागृति मंच को महिलाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर महिला गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। संस्थान को महिला शिक्षा, महिला रोजगार, महिला सशक्तिकरण तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए फ्री समर कैंप की ओर निशुल्क सिलाई सेंटर और फ्री ड्राईविंग सिखाने हेतु दिया गया। पूर्व विधायक राजकुमारी दिया कुमारी, आलोक कौशिक, सुशीला चौधरी, हेमलता, राजेन्द्र खिंची ने प्रशस्ति पत्र व सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कोई भी देश यश के शिखर पर तब नहीं पहुंचता जब तक उस देश की महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर ना चले। आज की महिलाओं को घर से बाहर निकलकर हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी निभानी चाहिये। जिसके लिए सभी सरकार और समाज आज उनके समर्थन में है।

(सफल राजस्थान)

सुमन मथसिंघला, जिला अध्यक्ष इंटक

लोको पायलट से लेकर गार्ड तक

भोपाल-बिलासपुर ट्रेन का हर काम महिलाओं के जिम्मे

सफल राजस्थान

भोपाल। भोपाल-बिलासपुर ट्रेन रोज की तरह शुक्रवार को भी अपने नियत समय पर सुबह 8.00 बजे ही भोपाल स्टेशन से चलने को तैयार थी, लेकिन आज नजारा कुछ अलग था। ट्रेन में ड्राइविंग सीट से लेकर टिकट खिड़की तक हर जगह का संचालन महिलाओं के हाथ में था। असल में, मौका अंतर्राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण दिवस का था। इसलिए इसे सेलीब्रेट करने के लिए पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल ने भोपाल-बिलासपुर ट्रेन की कमान शुक्रवार को महिलाओं को सौंप दी। और उन्होंने इसे संभाला भी बखूबी। गाड़ी संख्या- 18235 भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस में लोको पायलट से लेकर गार्ड और सुरक्षाकर्मी तक हर जिम्मेदारी महिला रेलवे कर्मचारियों ने संभाली।

रायपुर एयरपोर्ट पर एयरट्रैफिक कंट्रोल की कमान दो महिलाओं के हाथ में

सफल राजस्थान

रायपुर। राजधानी के माना स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर शुक्रवार को एयर ट्रैफिक कंट्रोल दो महिलाओं के हाथ में है। अदिति अरोड़ा और संजुला जायसवाल यहां एयर ट्रैफिक को कंट्रोल कर रही हैं। साथ ही सीआईएसएफ ने महिला अधिकारियों और जवानों को सुरक्षा की पूरी कमान सौंप दी है। ये बदलाव अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर एयरपोर्ट अथॉरिटी ने कर इस दिन को बेहद खास बना दिया है। एयर इंडिया की 651 फ्लाइट में सभी क्रू मेंबर्स महिलाएं हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी महिलाओं को एयरपोर्ट अथॉरिटी ने फूलों का गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को वुमन सेंट्रलाइज्ड बनाने की कोशिश हो रही है। महिलाओं की सुविधाओं को ध्यान रखते हुए लगातार इस दिशा में काम हो रहा है। सभी वॉशरूम में सेनेटरी नैपकीन वेंडिंग मशीन लगाई गई है। छोटे बच्चों को दूध पिलाने के लिए अलग से व्यवस्था की गई है।

मदनमहल बना प्रदेश का पहला और देश का तीसरा पिंक स्टेशन

सफल राजस्थान

जबलपुर। महिला सशक्तिकरण की दिशा में पश्चिम मध्य रेल ने पहल करते हुए मदनमहल रेलवे स्टेशन का पूरा संचालन महिला कर्मियों से करवाने का निर्णय लिया है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस यानि 8 मार्च से मदन महल स्टेशन प्रदेश का पहला पिंक स्टेशन कहलाएगा। इसके पहले भारतीय रेलवे ने 20 फरवरी 2018 को गांधी नगर स्टेशन को पिंक स्टेशन का दर्जा दिया था, जहां 40 महिला स्टाफ ने पूरे स्टेशन का संचालन शुरू कर देश के सामने एक उदाहरण पेश किया था। इसके बाद माटुंगा स्टेशन को भी पिंक स्टेशन बनाया गया। जबलपुर से लगे मदनमहल स्टेशन में 41 महिला कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इनमें 20 कर्मी कमर्शियल, 9 ट्रैफिक, एक पर्सनल, 3 सिग्नल एवं टेलिकॉम, 2 इलेक्ट्रिकल स्टाफ शामिल है। इसके अलावा यात्रियों और स्टेशन की सुरक्षा के लिए 6 आरपीएफ महिला कर्मियों की तैनाती भी की गई है। शुक्रवार से ये सभी महिला कर्मी पिंक यूनिफॉर्म में नजर आएंगी। पूरे स्टेशन परिसर में एक भी पुरुष कर्मी नहीं रहेगा।

पश्चिम मध्य रेल ने अलग-अलग स्टेशन पर पदस्थ महिला कर्मियों को मदनमहल स्टेशन में तैनात किया है। स्टेशन प्रबंधन और गाडियों के संचालन को सुचारू रूप से करने इन महिला कर्मियों को विशेष ट्रेनिंग भी दी गई। आरक्षण कार्यालय में टिकट बुकिंग, टिकट चेकिंग, स्टेशन गार्ड, सुरक्षा, ट्रेन सिग्नल सहित स्टेशन प्रबंधन से जुड़े सभी कार्य महिला कर्मी ही करेंगी।

सीआईएसएफ के स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

सफल राजस्थान

जयपुर। सीआईएसएफ के स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस के उपलक्ष में सीआईएसफ एएसजी एयरपोर्ट जयपुर के कमांडेड वाईपी सिंह के द्वारा जयपुर एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ द्वारा विभिन्न प्रदर्शन खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया। इस अवसर पर सीआईएसएफ के कमांडो द्वारा हथियार व अन्य सुरक्षा प्रदर्शन किए गए और स्वर्ण जयंती कार्यक्रम के तहत एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 पर सीआईएसएफ के साथ जवाहर नवोदय विद्यालय पावटा जयपुर एलुमिनी एसोसिएशन की साथ ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन रखा गया जिसका उद्घघाटन एम एल स्वर्णकार अध्यक्ष महात्मा गांधी हॉस्पिटल जयपुर जे एस बल्हारा एडीपी जयपुर एयरपोर्ट कमांडेड वाईपी सिंह असिस्टेंट कमांडेड मान सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया जवाहर नवोदय विद्यालय पावटा जयपुर एलुमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप सिंह राठौड़ तथा महासचिव डॉ. धर्मवीर यादव द्वारा बताया गया कि ब्लड डोनेशन कैंप में 270 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ एसोसिएशन की मीडिया प्रकोष्ठ के प्रभारी भरत सिंह राजावत द्वारा बताया गया की कार्यक्रम में पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि प्रदान की गई तथा रक्तदान शिविर में सीआईएसएफ के जवानों एयरपोर्ट पर कार्यरत विभिन्न एजेंसियों के स्टाफ तथा पूरे राजस्थान के विभिन्न नवोदय विद्यालय के पूर्व छात्र छात्राओं व सीआईएसएफ की महिला विंग ने भी रक्तदान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया गया कमांडेड वाईपी सिंह द्वारा बताया की सीआईएसएफ का स्वर्ण जयंती कार्यक्रम पूरे भारतवर्ष में मनाया गया है। इस अवसर पर गाजियाबाद में आयोजित मुख्य समारोह में पीएम मोदी मुख्य अतिथि रहे हैं स्वर्ण जयंती के उपलक्ष में कमांडेंट वाई पी सिंह द्वारा वर्ष 2018 19 रक्तदान शिविर स्वच्छता कार्यक्रम आमजन के जागरूकता कार्यक्रम पेड़ लगाना केयर काउंसलिंग योगा मानसिक मानसिक तनाव दूर करने के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करवाए गए।

जेएनवी पावटा जयपुर मीडिया प्रभारी भरत सिंह राजावत ने बताया कि सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर समानित किया गया।

ट्रैफिक, सड़क और जनता का हाल जानने के लिए मोटरसाईकिल से खाचरियावास ने दौरा किया

आने वाले 3 महीने में जयपुर की सभी सड़कें होंगी खड्डा मुक्त, ट्रैफिक जाम से मुक्ति के लिए विशेष व्यवस्था करेगी सरकार : परिवहन मंत्री

सफल राजस्थान

जयपुर। राजस्थान सरकार के परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास आज मोटरसाईकिल द्वारा जयपुर की सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्याओं के समाधान सड़कों की स्थिति और जयपुर का हाल जानने के लिए सड़कों पर उतरे।

मोटरसाईकिल से रवाना हुए प्रताप सिंह खाचरियावास ने जगह-जगह जनता से रूबरू होकर उनके हालचाल जाने लोगों ने उन्हें सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए कई विशेष सुझाव दिए जगह-जगह नागरिकों ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया नागरिकों ने कहा कि पहली बार कोई परिवहन मंत्री मोटरसाईकिल पर लोगों के बीच में जनता का हाल जानने के लिए मोटर साईकिल चला कर आया है और लोगों से रूबरू हो रहा है।

खाचरियावास ने लोगों को आश्वस्त किया की सड़क दुर्घटनाऐं रोकने के लिए, जाम से मुक्ति के लिए सरकार विशेष प्रयास कर रही है आने वाले समय में जयपुर में अनेक जगह ओवर ब्रिजों का भी निर्माण किया जाएगा, जिससे लोगों को जाम से मुक्ति मिल सके। खाचरियावास ने ट्रैफ्कि अधिकारियों को सभी जगह रेड लाईटों की व्यवस्था करने, ट्रैफिक सुचारू रूप से चलाने के लिए जाम वाले सभी स्थानों पर पुलिस और होमगार्ड के जवानों की नियुक्ति करने के आदेश देते हुए कहा कि जयपुर में सड़को को आने वाले 3 महीने में पूरी तरह से ठीक कर दिया जाएगा।

जयपुर की हर सड़क गढ्ढा मुक्त होगी। लोगों को दुर्घटनाओं से बचाने के लिए जेडीए और नगर निगम को सख्त निर्देश दिए गए की सड़कों पर सीवरेज के जाल नालियों के फेरो कवर सड़क के बराबर रहे जिससे दुर्घटनाऐं घटित नही हो।

खाचरियावास ने आज अपने सरकारी निवास 48 नंबर सिविल लाइन से मोटरसाइकिल से रवाना हुए तो उनके साथ सड़क पर चल रहे हैं अनेक लोग पीछे पीछे साथ चल दिए जगह-जगह जब परिवहन मंत्री जब मोटरसाईकिल पर लाल बत्ती पर रूक रहे थे, लोगों ने उनके साथ सेल्फी खिंचाई और इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि वह सड़क पर जनता का हाल जानने के लिए निकले। खाचरियावास आज गुर्जर की थड़ी, न्यू सांगानेर रोड़, सोडाला, एनबीसी, हसनपुरा, रेलवे स्टेशन, कलेक्ट्री सर्किल, खासा कोठी, एमआई रोड़, किशनपोल, छोटी चौपड़, बड़ी चौपड़, जोहरी बाजार, सांगानेरी गेट होते हुए अपनी यात्रा यादगार पर पहुंचकर समाप्त की एवं यादगार पहुंचकर ट्रैफिक अधिकारियों को सुरक्षा संबंधी अपने दिशा निर्देश देकर मीटिंग की। आज मोटर साईकिल के दौरे पर परिवहन मंत्री खाचरियावास के साथ विधायक रफीक खान, कांग्रेस नेता-मनोज मुदगल, हरिशंकर शर्मा, दुष्यंत राज सिंह चुंडावत, दयाल सिंह राठौड़ आदि शामिल थे।

...और आतंकवाद की घटनाएं होने के संकेत : पंडित द्विवेदी

ज्योतिष की दृष्टि से भारत का भविष्य विषय पर परिचर्चा व निशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर का आयोजन

सफल राजस्थान

जोधपुर। ग्रहों की स्थिति इस ओर संकेत दे रही हैं कि आने वाला समय देश व दुनिया के लिए चुनौतियों से भरा होगा और आतंकवाद की और घटनाये होने के आसार नजर आ रहे हैं। यह बात अन्तराष्ट्रीय ज्योतिषाचार्य पर रमेश भोजराज द्विवेदी ने रविवार को सुरसागर स्थित श्री सरस्वती बाल वीणा भारती शिक्षण संस्थान में श्री चक्र साधना ज्योतिष केन्द्र, एस्ट्रोलोजी हाऊस व शिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में ज्योतिष की दृष्टि मे भारत का भविष्य विषय पर आयोजित परिचर्चा में कही इसके बाद निशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर का भी आयोजन हुआ।

पं. द्विवेदी ने कहा कि आने वाले समय में शनि व गुरू दोनों मंद गामी ग्रहो का प्रभाव देश व दुनिया पर विचित्र रूप से रहेगा।आतंकवाद की घटनाओं के कारण सीमा पर तनाव जारी रहेगा हालांकि इस बीच भारत व पाकिस्तान के बीच युद्ध की संभावना नही बनती है परन्तु विश्व में अशांति का वातावरण रहेगा आतंकवाद के खिलाफ कई देश लामबंद होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पर विजयदत पुरोहित ने की उन्होने कहा कि आतंकवाद केवल भारत के लिए ही नही पूरे विश्व के लिए नासूर है ग्रहो की स्थिति को देखते हुए आतंकवाद के खिलाफ और कडी कार्यवाही होने के संकेत हैं। इस अवसर पर पं एस के जोशी, पं नरपत दाधीच,रत्ना राजीव मिश्रा,डॉ सपना सारस्वत, पं रामनिवास दाधीच, पं अभिषेक जोशी आदि ने ग्रहो की स्थिति को देखते हुए भारत के भविष्य पर अपने विचार व्यक्त किये । श्री चक्र साधना ज्योतिष केन्द्र की अध्यक्ष डॉ विद्या जोसफ ने स्वागत भाषण दिया जबकी आभार शिक्षण संस्थान के संचालक भैराराम चौधरी ने किया कार्यक्रम का संचालन डॉ भैरू प्रकाश दाधीच ने किया।

झूठे वायदों वाली भाजपा सरकार की उल्टी गिनती शुरू : दुबे

सफल राजस्थान

कोटा। कोटा देहात कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष मनोज दुबे ने आज चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद कहा कि केंद्र में बैठी भाजपा की झूठे वायदों वाली सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है देश की जनता अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रही है।

दुबे ने कहा कि अच्छे दिनो का सपना दिखाकर महंगाई भ्रष्टाचार की बात करने वाली भाजपा सरकार ने, राफेल सहित कई घोटाला कर भाजपा सरकार ने जनता को भारी भ्रस्टाचार का तोहफा दिया अपने साथी व्यापारियों को देश का करोड़ो रूपये लेकर भागने में मदद की। नोटबंदी जीएसटी लगा करोड़ो लोगो को बेरोजगार बनाया आम आदमी के खाते में 15/15 लाख रुपये,10 करोड बेरोजगारों को रोजगार व कालाधन लाने में पूर्ण रूप से विफल भाजपा सरकार को जनता देगी अब जवाब।

दुबे ने कहा कि कांग्रेस सेवादल टारगेट 25 लेकर पूरे जोश के साथ चुनाव में जी तोड़ मेहनत कर कांग्रेस को विजयी बनाएगे प्रदेश की कांग्रेस सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व भाजपा सरकार की विफलताओं को सेवादल कार्यकर्ता घर घर पहुचेंगे।

विनोद शर्मा बने राजस्थान प्रदेश के मीडिया प्रभारी

जयपुर (सफल राजस्थान)। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय देवेन्द्र शर्मा (रींगस) ने राजस्थान प्रदेश के मीडिया प्रभारी पद पर विनोद शर्मा को मनोनीत किया। साथ ही उन्हें आदेशित किया कि जल्द से जल्द संगठन को मजबूती प्रदान करने का कार्य करे। देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि शर्मा संगठन द्वारा दिये गये आदेशों का पालन निष्ठापूर्वक करें।

ज्ञान का खजाना भी बनेगा रसोई उत्सव : पाठक

जयपुर (सफल राजस्थान)। उद्योग विभाग द्वारा राजस्थान हाट पर 14 से 17 मार्च तक आयोजित रसोई 2019 : स्वाद राजस्थान का उत्सव में राजस्थान के परंपरागत खान-पान की हाइजिनिकता, पुष्टिकारकता, सुपाच्यता और स्वास्थ्यवर्द्धकता के गुणों से भी रू-ब-रू कराया जाएगा। उद्योग आयुक्त डॉ. पाठक ने बताया कि उत्सव के दौरान जयपुरराइट्स प्रमुख व्यंजनों-मसालों के उद्भव, उनकी गुणवत्ता और विकास यात्रा की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री गहलोत ने पिलाई बच्चों को पोलियो की दवा

जालोर/जयपुर (सफल राजस्थान)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को जालोर सर्किट हाउस में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 9 बालक-बालिकाओं को पोलियो की खुराक पिलाई। गहलोत ने 5 वर्ष की आयु तक के बालक- बालिकाएं गर्वित ओझा, शान सिलावट, दीक्षिका भारती, कनिष्का, भाविया, आदित्य, हिना, देवांश एवं भगवान को पोलियो की दवाई पिलाई। उन्होंने बच्चों को प्यार से दुलारा और खिलौने एवं चॉकलेट भी दी।

विद्याधर नगर विधानसभा के तीन पार्षद बने चेयरमैन

जयपुर (सफल राजस्थान)। नगर निगम जयपुर द्वारा विधाधर नगर विधानसभा क्षेत्र से तीन पार्षद मंजू शर्मा, सुशिल शर्मा, किशन अजमेरा को चेयरमैन बनाये जाने पर सीताराम अग्रवाल (कांग्रेस प्रत्याशी) द्वारा तीनों पार्षदों का माला साफा पहनाकर स्वागत किया व पूरे कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ नगर निगम ऑफिस जाके 3 पार्षदों को चेयरमैन की शपथ समारोह में सम्मिलित हुए और सभी को बधाई व शुभकामनाएं दी।

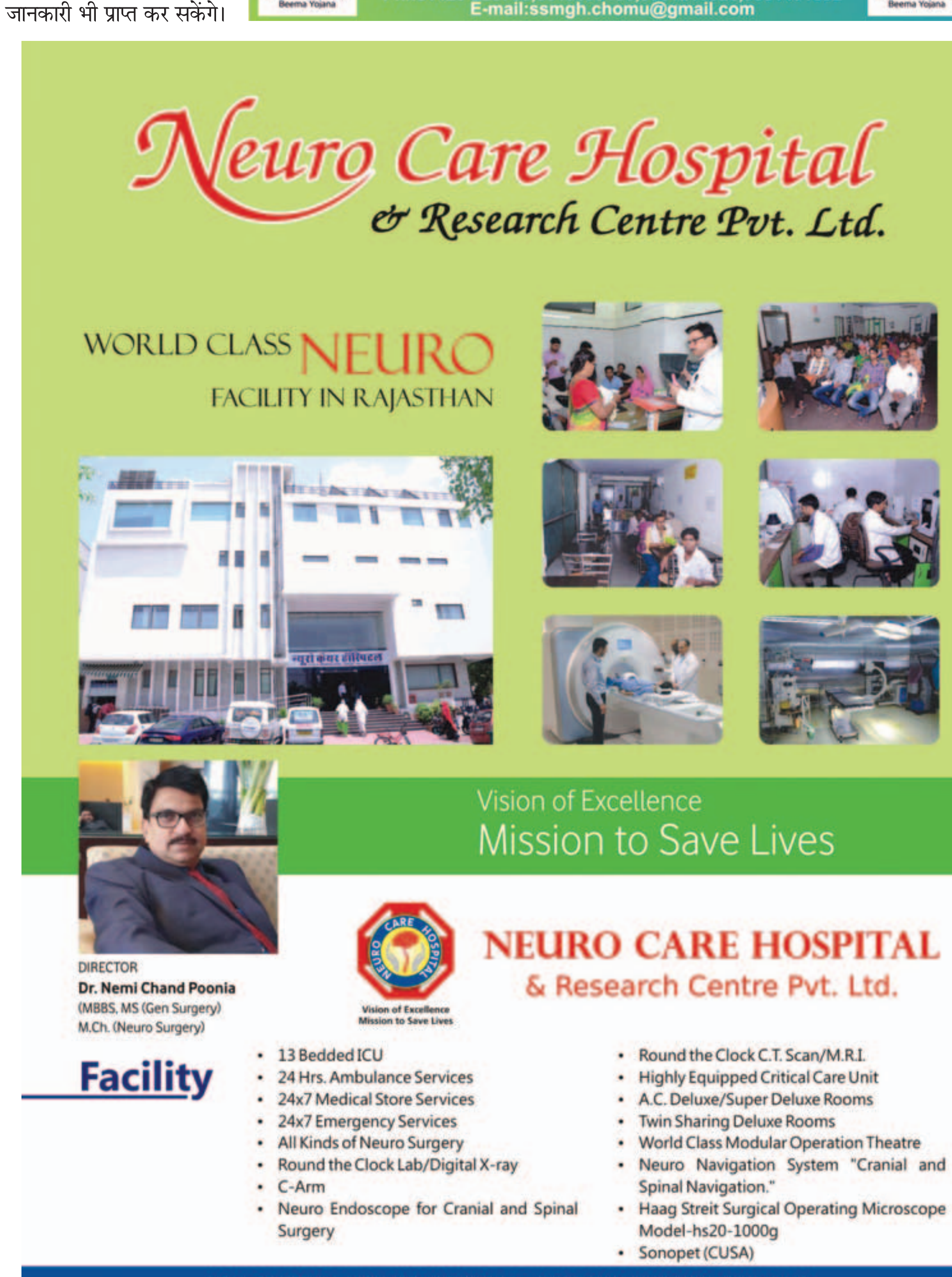

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक विमला देवी के लिए पी.के. प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनर्स, 31 पटेल नगर, 22 गोदाम, राम मंदिर जयपुर, जयपुर में मुद्रित एवं जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार), सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर -302039 से प्रकाशित।
सम्पादक : विमला देवी, E-Mail : safalraj2012@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर। मो. 8829966661, 9251166661, 9214466661